

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी कठूमर ( अलवर )

पीठासीन अधिकारी श्री जयसिंह आर ए एस

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या 2/47/2018

वउनवान

1. श्यामलाल पुत्र रतनलाल जाति अहीर निवासी बल्लुपुरारामगढ तहसील कठूमर

\_\_\_\_\_ सायल

बनाम

1. रामअवतार पुत्र रतनलाल जाति अहीर निवासी बल्लुपुरारामगढ
2. रामकरन पुत्र रतनलाल जाति अहीर निवासी बल्लुपुरारामगढ
3. हरप्यारी पत्नी स्व० रतनलाल जाति अहीर निवासी बल्लुपुरारामगढ
4. गैदा पुत्र छुट्टन जाति अहीर निवासी बल्लुपुरारामगढ तहसील कठूमर जिला अलवर
5. उप पंजीयक कठूमर तहसील कठूमर

गैरसायलान

दर० 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

उपस्थित :-

श्री सुभाषचन्द "अरूवा" एडवोकेट : वकील सायल

आदेश

दिनांक 11/2/18

सायल द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार हैं कि आराजी खसरा नम्बर 22, 165, 292, 293, 304, 305, 310, 329, 344, 395, 397, 413, 430, 457, 247 वाके ग्राम बल्लुपुरारामगढ तहसील कठूमर में स्थित है। उपरोक्त विवादित आराजी सायल एवं गैरसायल संख्या 1 ला04 की भामलात कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस पर सायल एवं गैरसायलान भामलात में काविज रहकर काश्त करते चले आ रहे हैं उक्त आराजी अवट है जिसका अभी कानूनी तकासमा नहीं हुआ है। सायल विवादित आराजी में गैरसायलान के साथ भामलात में काविज रहकर काश्त करता चला आ रहा है। विवादित आराजी राजस्व रेकार्ड में भामलात खातेदारी में दर्ज है। गैरसायलान विवादित आराजी में सायल के भामलात कब्जे काश्त में बाधा पैदा करते हैं इस वजह से सायल विवादित आराजी का कानूनी तकासमा कराना चाहता है। विवादित आराजी भामलात खातेदारी में दर्ज रहने से गैरसायलान सायल के कब्जे काश्त में

बाधा पैदा करते है जवरन वेदखल करने तथा विना तकासमा कराये रहन वय करने की धमकी देते है। गैरसायलान मना करने से नहीं मान रहे है यदि गैरसायलान अपने नापाक ईरादों में कामयाव हो गये तो सायल को अपार हानि असुविधा व क्षति होगी। अतः सायल ने प्रार्थना पत्र स्वीकार कर गैरसायलान को उपरोक्त आराजी में सायल के हिस्सा के अनुसार कब्जे काशत में बाधा पैदा नहीं करने रहन वय नहीं करने एवं मौका एवं रेकार्ड की यथास्थिति बनाये रखने हेतु ता फैसला दावा पाबन्द कराने का निवेदन किया है।

प्रार्थना पत्र सायल दर्ज रजिस्टर किया जाकर गैरसायलान को जरिये नोटिस तलव किया गया। गैरसायल सं० 1 ला० 4 बाबजूद तामील उप० नहीं आये जिनके विरुद्ध दिनांक 22.06.2018 को एकपक्षिय कार्यवाही अमल में लाई गई। सायल ने अपने प्रार्थना पत्र के साथ जमाबन्दी संवत् 2072 से 2075 वाके ग्राम बल्लुपुरारामगढ की सत्यप्रतिलिपी पेश की है। जो शामिल पत्रावली है।

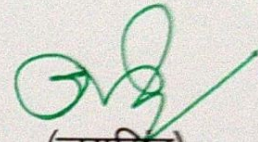
वहस सुनी गयी। पत्रावली का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्ता सायल ने अपनी वहस के दौरान मुख्य रूप से अपने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को दोहराया व कथन किया कि विवादित आराजी सायल एवं गैरसायलान की भामलात खातेदारी में दर्ज है। गैरसायलान सायल के कब्जे काशत में बाधा पैदा करते है सायल विवादित आराजी में अपने हिस्से की आराजी का अलग से कानूनी तकासमा कराना चाहता है। गैरसायलान विवादित आराजी का कानूनी तकासमा कराने को तैयार नहीं है बल्कि सायल के कब्जे काशत में बाधा पैदा करते है रहन वय करने की धमकी देते है। यदि गैरसायलान ने विवादित आराजी को विना तकासमा कराये रहन वय कर दिया या सायल के कब्जे काशत में बाधा पैदा की तो अपार हानि व नुकशान सायल को होगा। इस वजह से गैरसायलान को ता फैसला दावा स्थगन आदेश से पाबन्द किया जावे।

हमने पत्रावली के तथ्यों प्रस्तुत राजस्व रेंकार्ड का अवलोकन किया तथा विद्वान अधिवक्ता सायल की वहस पर मनन किया। सायल को अपने प्रार्थना पत्र को सावित करने के लिये निम्न विन्दुओं को अपने पक्ष में सावित कराना है :

1. प्रथम दृष्टा केस
2. सुविधा का सन्तुलन
3. ना पूर्ति होने वाली क्षति

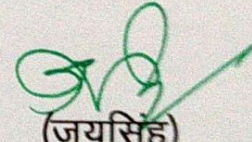
हमने पत्रावली के तथ्यों प्रस्तुत राजस्व रेकार्ड का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्ता सायल की वहस पर मनन किया। सायल द्वारा प्रस्तुत जमाबन्दी संवत् 2072 से 2075 वाके ग्राम बल्लुपुरारामगढ में विवादित आराजी सायल एवं गैरसायलान की भामलात खातेदारी में दर्ज है।

विवादित आराजी राजस्व रेकार्ड में भामलात खातेदारी में तर्ज रहने से विवादित खातेदारी का सायल व गैरसायलान का भामलात में काश्त करने का अनुमान किया जाता है। यदि गैरसायलान ने सायल को उनके कब्जे काश्त में बाधा की या रहन बय कर दिया तो इससे सायल को नुकसान होना संभव है। गैरसायलान को पाबन्द किये जाने से उन्हें किसी तरह का नुकसान होगा ही नहीं। स्थिति अदालत के समक्ष नहीं है। प्रथम दृष्टा केस सुविधा का सन्तुलन एवं ना पूर्ण होने का कारण क्षति तीनों विन्दु सायल के पक्ष में प्रवल है। अतः सायल का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर गैरसायल सं० 1 ला० 4 को दावा के निस्तारण तक अस्थाई निशेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वो आराजी खसरा नम्बर 22, 165, 292, 293, 304, 305, 310, 329, 344, 395, 397, 413, 430, 457, 247 वाके ग्राम बल्लुपुरारामगढ तहसील कठूमर वाके ग्राम बल्लुपुरारामगढ तहसील कठूमर के मौका एवं रेकार्ड की यथास्थिति बनाये रखें। पत्रावली फैसल सुमार होकर मूल दाद के साथ संलग्न हो।

  
(जयसिंह)

उपखण्ड अधिकारी कठूमर (अलवर)

आज दिनांक 11/2/2019 को यह आदेश मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(जयसिंह)

उपखण्ड अधिकारी कठूमर (अलवर)